THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY 4 OF ' TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY); (a) No, Sir.

(b) The words Office of Development Commissioner Handicrafts, New Delhi' *in* part (a) of Unstarred Question No. 2449 answered on 15.3.1993. had v>een inadvertantly construed to refer to Headquarters Office of the Office of Development Commissionei (Handicrafts) at New Delhi, and therefore, the answer covered the vacancies in Headquarters Office only.

(c) A statement is attached.

[See APPENDIX CLXVI, Annexure No. 65]

Generation of employment for handloom weavers

4079. SHRI PRAGADA KOTAIAH:

SHRI RAM NARESH YADAV:

PROF. I. G. SANADI;

SHRI SATYANARAYANA DRONAMRAJU:

SHRI MUTURU HANUMANTHA RAO:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state;

(a) the schemes which have been formulated to help handloom, weavers from out of the funds earmarked for generation of employment under the Ministry of Rural Development; and

(b) whether any scheme has been formulated to provide continous and full employment to handloom weavers?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY); (a) Handloom is covered under the ongoing Rural Development Programmes of Ministry of Rural Development like Integrated Rural Development Programme.

(b) A-part from the schemes of Ministry of Rural Development Ministry of Textiles has a number of ongoing schemes for improving employment opportunities of handloom weavers. These schemes include Janata Cloth Scheme, MDA Scheme and Project Package Scheme.

सूत की उत्पादन क्षमता

4080. श्री राम जेठमलानी :

डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कपास की बजाय सूत निर्यात करके 80 प्रतिशत अधिक विदेशी मुद्रा, सूत की बजाय कपड़े का निर्यात करके 50 प्रतिशत अधिक विदेशी मुद्रा तथा कपड़े की बजाय सिले-सिलाये वस्त्रों का निर्यात करके 220 प्रतिशत अधिक विदेशी मुद्रा अर्जित किये जाने की संभावना होती है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि सरकार देश में कपास के बढ़ते हुये उत्पादन के अनुसार सूत उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिये सतत प्रयास कर रही है ; और

(ग) यदि हां, तो आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक सूत की कितनी मात्रा के लिये उत्पादन क्षमता स्थापित कर दी जायेगी ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) यह सही है कि अपरिष्कृत कपास के बजाय यार्न, फैब्रिक, परिधान आदि जैसे माध्यमिक उत्पाद तथा अंतिम उत्पादों का निर्यात करके अधिक विदेशी मुद्रा अर्जित करने की संभावना है । मूल्यवर्धन का प्रतिशत मद की किस्म तथा निर्यात की गई मदद संबंधी निष्पादित विभिन्न प्रक्रियाओं पर निर्भर होगा ।

(ख) और (ग) उदारीकृत औद्योगिक नीति के अन्तर्गत उद्यमी औद्योगिक